अब, हमारे पास ग्रीन इंटरनेट है!

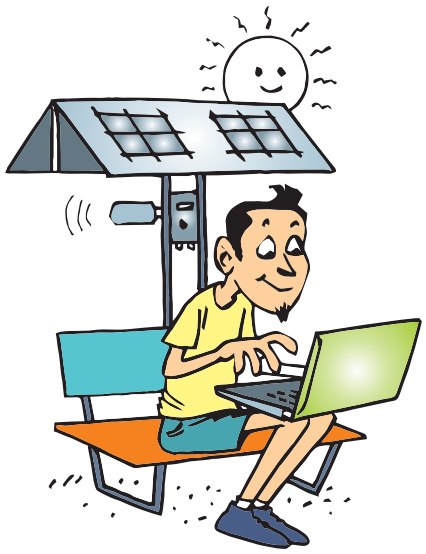

अधिक से अधिक कंपनियां अक्षय ऊर्जा के साथ इंटरनेट को सशक्त कर रही हैं

इंटरनेट ने हमारे जीवन को बदल दिया है। हालांकि, उपभोक्ताओं, व्यवसायों और सरकारों द्वारा इंटरनेट के उपयोग में वृद्धि से पर्यावरण प्रभावित हो रहा है। ज्यों-ज्यों दुनिया भर के लोग जुड़ते जा रहे हैं, डेटा केंद्रों और दूरसंचार नेटवर्क के लिए काफी बिजली का उपयोग किया जा रहा है। बिजली की यह मांग ऑनलाइन आबादी के बढ़ने के साथ 2020 तक 60% या उससे अधिक बढ़ जाएगी।

इस बिजली का ज्यादातर उत्पादन जीवाश्म ईंधन के जलाने से होता है जिससे कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य ग्रीन हाउस गैसों का भारी मात्रा में उत्सर्जन होता है, जिनका जलवायु परिवर्तन में योगदान होता है। वर्ष 2014 में ऑनलाइन आबादी 300 करोड़ थी। मोबाइल ब्रॉडबैंड सदस्यता, वर्ष 2020 तक, चौंका देने वाली संख्या 760 करोड़ तक होने की उम्मीद है।

पर्यावरण अनुकूल पहल

एक नई पहल में, इंटरनेट अक्षय ऊर्जा द्वारा संचालित किया जा रहा है। इसे 'ग्रीन इंटरनेट' कहते हैं। एप्पल, फेसबुक, अमेज़ॉन, सेल्सफोर्स, माइक्रोसॉफ्ट, रैकस्पेस, बॉक्स, इक्वीनिक्स, गूगल और अन्य प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियां पूरी तरह से 100% अक्षय ऊर्जा से इंटरनेट चलाने का प्रयास कर रहे हैं। फॉर्च्यून 500 कंपनियों के लिए क्लाउड कंप्यूटिंग सेवाएं प्रदान करने वाली अमेज़ॉन वेब सर्विस पवन ऊर्जा का उपयोग करने की योजना बना रही है।

गूगल 100% अक्षय ऊर्जा से संचालित है। वास्तव में, गूगल अपने डेटा केंद्रों को ऐसे क्षेत्रों में लगाकर बिजली के उपयोग को कम करता है जहां प्राकृतिक जलवायु संसाधन उनके कंप्यूटर सर्वरों द्वारा उत्पादित गर्मी की भरपाई कर सकते हैं। एप्पल इंक ने चार सोलर फॉर्म बनाये हैं और अब अपने सभी डेटा केंद्रों को अक्षय ऊर्जा पर चलाते हैं। फेसबुक ने आयोवा, अमेरिका में एक डेटा सेंटर लगाने का फैसला किया है, जिससे दुनिया में पवन टर्बाइन की सबसे बड़ी खरीद होगी।

सूचनापरक रिपोर्ट

ग्रीनपीस इंटरनेशनल द्वारा 2014 के *'क्लिकिंग क्लीनः ए गाइड टू बिल्डिंग दी ग्रीन इंटरनेट'* नामक अध्ययन के अनुसार, प्रौद्योगिकी कंपनियों में अक्षय ऊर्जा क्रांति करने की या ऊर्जा के पुराने प्रदूषण करने वाले स्रोतों के स्थान पर नई डिजिटल अर्थव्यवस्था लाने की अपार क्षमता है। रिपोर्ट कहती है कि दांव ऊंचे हैंः यदि इंटरनेट एक देश होता तो इसकी बिजली की मांग वर्तमान में छठे स्तर पर होती। उस स्थिति की कल्पना कीजिए कि जब उपकरणों के साथ जुड़ी ऊर्जा को भी शामिल कर लिया जाएगा!

इस अध्ययन के प्रमुख लेखक, गैरी कुक ने टिप्पणी की है कि व्यक्तिगत इंटरनेट उपयोगकर्ता भी बदलाव कर सकते हैं। "आप ऊर्जा कुशल उत्पादों का चयन कर सकते हैं, और आप सोचें कि क्या वास्तव में आपको हर दो साल में एक नए मॉडल की जरूरत है। यह भी महत्वपूर्ण है कि उपभोक्ता अक्षय ऊर्जा का और अधिक उपयोग करने के लिए कंपनियों पर जोर डालते रहें।"

स्रोतः स्पैन मई-जून 2015 ***www.huffingtonpost.com, www.cloudbus.org***